DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

31 July, 2024

परख (PARAKH) की समतुल्यता रिपोर्ट

संदर्भ: *हाल में PARAKH (प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और समग्र विकास के लिए ज्ञान विश्लेषण), जो NCERT के अंतर्गत एक मानक-निर्धारण निकाय है, ने शिक्षा मंत्रालय को एक 'समकक्षता' रिपोर्ट सौंपी है जिसमें देशभर के विभिन्न स्कूल बोर्डों के बीच स्थिरता प्राप्त करने के लिए सिफारिशें की गई हैं।*

➢ **सभी बोर्डों में समानता -**

- **परिभाषा** : समतुल्यता या समानता का उद्देश्य विभिन्न स्कूल बोर्डों में सुसंगत शैक्षिक मानकों को प्राप्त करना है।
- **वर्तमान स्थिति:** वर्तमान में पाठ्यक्रम, परीक्षा और बोर्ड संरचना में अंतर के परिणामस्वरूप बोर्ड की गुणवत्ता में अंतर होता हैं।
- **शामिल बोर्ड:** इसके अंतर्गत राज्य बोर्ड, सीबीएसई, आईसीएसई, एनआईओएस, तकनीकी, व्यावसायिक, संस्कृत और मदरसा बोर्ड सहित 69 बोर्ड शामिल है।
- **उद्देश्य** : इसका उद्देश्य एकरूपता की जगह सभी शिक्षार्थियों के लिए मानकीकृत सुविधाएं और मानक सुनिश्चित करना है।

PARAKH की सिफारिशें

➢ **मूल्यांकन :**

- कक्षा 9, 10 और 11 और 12 के परिणामों में योगदान देगा (15% कक्षा 9, 20% कक्षा 10, 25% कक्षा 11, 40% कक्षा 12)।
- विषयों, ऑनलाइन पाठ्यक्रमों और समग्र गतिविधियों के लिए मूल्यांकन सूची का उपयोग करना।
- कक्षा 12 का रिपोर्ट कार्ड तैयार करना।

➢ **मानकीकृत प्रश्न पत्र:**

- मानकीकृत प्रश्न पत्र तैयार करने के लिए शिक्षकों का एक संवर्ग तैयार करना और प्रशिक्षित करना।
- कक्षा 9, 10, 11 और 12 के लिए प्रश्न बैंक और प्रश्नपत्रों की रूपरेखा तैयार करना।

➢ **प्रशासन :**

- स्कूल संबद्धता दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देना।
- समय-समय पर स्कूल समीक्षा आयोजित करना, सम्बद्धता को अधिकतम तीन वर्ष तक सीमित करना।
- गैर-मान्यता प्राप्त संस्थानों को पहचानने और उनके विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए बोर्डों को सशक्त बनाना।

➢ **धोखाधड़ी विरोधी उपाय:**

- इसके अंतर्गत धोखाधड़ी को रोकने के लिए तंत्र विकसित करना।
- परीक्षा पत्रों के लिए सुरक्षित हैंडलिंग प्रोटोकॉल लागू करना।
- डिजिटल मूल्यांकन का अन्वेषण करना।

➢ **पाठ्यक्रम :**

- कोडिंग और साइबर सुरक्षा सहित डिजिटल साक्षरता को शामिल करना।
- स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा का पालन करना।

➢ **बुनियादी ढांचा :**

- शौचालय, इंटरनेट, पुस्तकालय, प्रयोगशाला और रैम्प जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करना।

➢ **अनुशंसाओं की प्रक्रिया**

- **मूल्यांकन** : इसमें प्रशासन, पाठ्यक्रम, मूल्यांकन, समावेशिता और बुनियादी ढांचे पर 32 बोर्डों (संस्कृत, मदरसा और तकनीकी बोर्डों को छोड़कर) का मूल्यांकन किया गया है।
- **विश्लेषण** : इसमें दो वर्षों के प्रश्न-पत्रों की समीक्षा की गई है तथा विस्तृत प्रश्नावली का उपयोग किया गया है।
- **परामर्श** : सिफारिशों को अंतिम रूप देने के लिए स्कूल बोर्डों के साथ बैठकें आयोजित की गई है।

➢ **परख क्या है?**

- **प्रस्ताव** : परख (PARAKH) एनईपी 2020 द्वारा प्रस्तावित बेंचमार्क मूल्यांकन ढांचा है।
- **कार्य** : यह सभी स्कूल बोर्डों में छात्र मूल्यांकन और आकलन के लिए एक मानक-निर्धारक निकाय के रूप में कार्य करेगा, जो रटने वाली शिक्षा से बचाव करेगा।
- **अधिदेश** : परख का उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्कूल बोर्डों को एक साझा मंच पर एकीकृत करना है।
- **प्रारंभिक कदम:** यह कार्यशाला निष्पक्ष और न्यायसंगत मूल्यांकन प्रणाली विकसित करने के लिए हितधारक बातचीत की सुविधा प्रदान करेगी।
- **- उद्देश्य** : पाठ्यक्रम मानकों, ग्रेडिंग प्रणालियों और मूल्यांकन पद्धतियों को एकसमान करके विभिन्न बोर्डों या क्षेत्रों के बीच छात्रों के लिए सुचारू संक्रमण को सक्षम करने के लिए एक एकीकृत ढांचा स्थापित करना।

फास्ट ब्रीडर रिएक्टर

संदर्भ *: हाल ही में परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) ने तमिलनाडु के कलपक्कम में 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) के लिए "फर्स्ट अप्रोच टू क्रिटिकलिटी" को मंजूरी दे दी है।*

- **महत्वपूर्ण उपलब्धि** : इसमें रिएक्टर के केंद्र में ईंधन (कोर लोडिंग) भरना और "कम शक्ति भौतिकी प्रयोग" शुरू करना शामिल है।
- **समीक्षा प्रक्रिया**: इसके अनुमोदन के लिए चरणबद्ध कोर लोडिंग समीक्षा की गई, जिसमें एईआरबी की सख्त निगरानी में नियंत्रण और ब्लैंकेट सब -असेंबली (blanket sub-assemblies) को सम्मिलित करना भी शामिल था।
- **सुरक्षा समीक्षा**: इसमें एक विस्तृत बहु-स्तरीय सुरक्षा समीक्षा आयोजित की गई, जिसमें साइट पर्यवेक्षक टीम द्वारा नियमित निरीक्षण और निगरानी की गई है।
- **अंतिम चरण**: इसके अन्तिम चरण में ईंधन उप-संयोजनों को रिएक्टर कोर में प्रविष्ट कराया जाएगा, जिससे सतत परमाणु विखंडन श्रृंखला अभिक्रिया (क्रिटिकलिटी) और तत्पश्चात निम्न शक्ति भौतिकी प्रयोग किए जाएंगे।
- **महत्व:** यह प्राधिकरण भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के एक महत्वपूर्ण भाग है तथा कलपक्कम में 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) को चालू करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

परमाणु रिएक्टरों में क्रिटिकलिटी तकनीकी -

➢ **क्रिटिकलिटी तकनीकी की परिभाषा:**

- जब एक परमाणु रिएक्टर सामान्य रूप से काम कर रहा होता है और आवश्यक बिजली का उत्पादन कर रहा होता है, तो उसे "क्रिटिकलिटी" की स्थिति में कहा जाता है।
- शब्द के अर्थ के बावजूद, क्रिटिकलिटी सुरक्षित और सामान्य रिएक्टर संचालन को इंगित करती है।

➢ **शब्दावली :**

- **सुपरक्रिटिकलिटी (Supercriticality)** : एक ऐसी स्थिति जहां रिएक्टर जितना न्यूट्रॉन खोता है, उससे अधिक न्यूट्रॉन उत्पन्न करता है, जिससे विद्युत उत्पादन में वृद्धि होती है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- **सबक्रिटिकलिटी (Subcriticality)** : एक ऐसी स्थिति जहां न्यूट्रॉन और बिजली उत्पादन कम हो जाता है, जिसका उपयोग अक्सर रखरखाव या ईंधन भरने के दौरान किया जाता है।

➢ **परमाणु रिएक्टर का संचालन:**

- **ईंधन छड़:** यूरेनियम ईंधन छड़ों में विखंडनीय पदार्थ होता हैं, जो परमाणुओं को विभाजित करके न्यूट्रॉन और ऊर्जा मुक्त करती हैं।
- **विखंडन प्रक्रिया:** यूरेनियम के नाभिक का विभाजित होने से न्यूट्रॉन निकलते हैं जो प्रतिक्रिया जारी रखते हैं, जिससे ऊष्मा और विकिरण उत्पन्न होता है।

➢ **क्रिटिकलिटी तकनीकी का नियंत्रण:**

- **नियंत्रण छड़:** न्यूट्रॉन-अवशोषित नियंत्रण छड़ें (कैडमियम, बोरॉन या हेफ़नियम जैसे तत्वों से बनी) न्यूट्रॉन उत्पादन को नियंत्रित करती हैं।
- **समायोजन** : न्यूट्रॉनों का संतुलन बनाए रखने के लिए नियंत्रण छड़ों को समायोजित किया जाता है, जिससे रिएक्टर के विद्युत उत्पादन को नियंत्रित किया जा सके।
- **खराबी की स्थिति में प्रतिक्रिया:** खराबी की स्थिति में, अतिरिक्त न्यूट्रॉन को अवशोषित करने और प्रतिक्रिया को बंद करने के लिए नियंत्रण छड़ को तेजी से डाला जा सकता है।

➢ **सुरक्षा और संरचना:**

- **रोकथाम** : उच्च ताप और विकिरण को रोकने के लिए रिएक्टरों को मोटे धातु से बनी कंक्रीट गुंबदों में रखा जाता है।
- **ऊर्जा रूपांतरण:** विखंडन से उत्पन्न ऊष्मा का उपयोग भाप उत्पन्न करने के लिए किया जाता है, जो बिजली उत्पन्न करने के लिए जनरेटर से चलाती है।

➢ **परिचालन स्थितियाँ:**

- **सुपरक्रिटिकल अवस्था:** न्यूट्रॉन की संख्या और बिजली उत्पादन को बढ़ाने के लिए आरंभिक स्तर पर अस्थायी रूप से उपयोग किया जाता है।
- **क्रिटिकल अवस्था:** यह स्थिर एवं संतुलित विद्युत उत्पादन के लिए प्राप्त करने के लिए किया जाता है ।
- **सबक्रिटिकल अवस्था:** यह अवस्था न्यूट्रॉन और बिजली उत्पादन में नियंत्रित कटौती के लिए उपयोग किया जाता है।

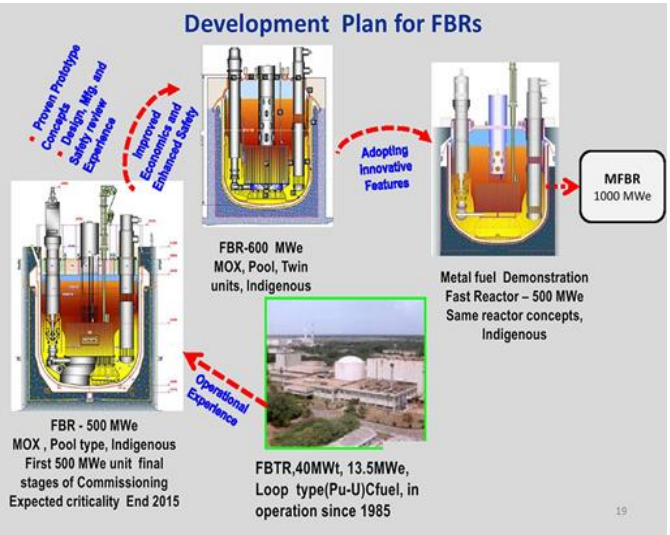

भारत में भूस्खलन

संदर्भ: *30 जुलाई 2024 में केरल के वायनाड जिले के कई पहाड़ी इलाकों में भारी भूस्खलन हुआ, जिससे सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका है।*

➢ **भूस्खलन क्या है?**

- भूस्खलन एक ऐसी भूवैज्ञानिक घटना है जिसमें गुरुत्वाकर्षण के कारण चट्टान, मिट्टी या मलबे का ढलान से अचानक और तेजी से नीचे की ओर खिसकना शामिल है।

➢ **भूस्खलन-प्रवण क्षेत्रों की विशेषताएँ -**

- पहाड़ी या पर्वतीय क्षेत्र जैसे खड़ी भूमि का होना।
- भूमि में जोड़ों और दरारों की उपस्थिति का होना।
- मौसम से प्रभावित क्षेत्र का होना।
- जंगली आग से प्रभावित क्षेत्र।
- वनों की कटाई या निर्माण जैसी मानवीय गतिविधियों से परिवर्तित क्षेत्र।
- नदी-धारा से प्रभावित क्षेत्र। -
- भारी सतही अपवाह या उच्च जल संतृप्ति वाले क्षेत्र।

भूस्खलन के कारण -

➢ **प्राकृतिक कारण:**

- **भारी वर्षा:** इससे छिद्रयुक्त जल का दबाव और मृदा भार बढ़ जाता है, जिससे मृदा संतृप्ति हो जाती है।
- **कटाव** : यह संसंजक से संबंधित तत्वों को हटाता है, जिससे क्षेत्र भूस्खलन के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है।
- **भूकंप** : जमीन के हिलने से चट्टानों और मिट्टी में अस्थिरता पैदा होती है।
- **ज्वालामुखी विस्फोट:** राख और मलबा भूमि का भार बढ़ाते हैं तथा भूकंपीय गतिविधि अस्थिरता उत्पन्न करती है।

➢ **मानवजनित कारण:**

- **वनों की कटाई** : मिट्टी को स्थिर रखने वाली और भूस्खलन को रोकने वाली वनस्पति काट दिया जाना।
- **अतिक्रमण** : भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में निर्माण कार्य बढ़ने से भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है।
- **अनियंत्रित उत्खनन:** खनन और उत्खनन जैसी गतिविधियाँ ढलानों को अस्थिर बनाती हैं।
- **जलवायु परिवर्तन:** वर्षा के स्वरूप में परिवर्तन होता है और चरम मौसम की घटनाएं बढ़ जाती हैं, जिसके परिणामस्वरूप अधिक बार और गंभीर भूस्खलन होता है।

➢ **भूस्खलन के प्रकार**

- **प्रपात** : चट्टानों या खड़ी ढलानों से अवशेषों का ढहना जो नीचे गिरती है और आधार पर एकत्र हो जाती है।
- इसमें गिरता हुआ **पिंड** घूमता है और आधार के निकट एक बिंदु के चारों ओर घूमता है।
- **स्लाइड्स** : यह गतिशील पदार्थ को अधिक स्थिर पदार्थ से अलग करने वाले एक विशिष्ट क्षेत्र के साथ गति करता है।
  - **घूर्णी स्लाइड:** यह गति जमीन की सतह के समानांतर अक्ष के चारों ओर घूमती होती है।
  - **- ट्रांसलेशनल स्लाइड (Translational Slide):** गति एक समतल सतह पर थोड़े घूर्णन के साथ होती है।
- **प्रवाह** : किसी पदार्थ का तरल पदार्थ की तरह ढलान से नीचे की ओर प्रवाह का होना।
  - **मिट्टी प्रवाह:** इसमें रेत, गाद और मिट्टी के कणों के साथ गीली सामग्री का प्रवाह होना।
  - **मलबा प्रवाह:** ढीली मिट्टी, चट्टानें और कार्बनिक पदार्थ पानी के साथ मिलकर एक घोल बनाते हैं जो ढलान से नीचे की ओर बहता है।
  - **चट्टान प्रवाह/चट्टान हिमस्खलन:** इसमें चट्टान सामग्री का ढलान की ओर प्रवाह होना।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

31 July, 2024

➤ **भूस्खलन के प्रभाव -**

- मानव एवं पशु जीवन की हानि।
- घरों और सड़कों जैसी बुनियादी संरचना और संपत्तियों का नुकसान होना।
- कृषि भूमि का दब जाना या बह जाना, जिससे कृषि प्रभावित होती है।
- स्थानीय समुदायों का विस्थापन होना।
- परिवहन मार्गों का अवरूद्ध होना, जिससे व्यवधान उत्पन्न होना।
- प्राकृतिक परिदृश्य में परिवर्तन, पारिस्थितिकी तंत्र और जलमार्ग प्रभावित होना।

➤ **भारत में भूस्खलन-प्रवण क्षेत्र**

- भारत विश्व स्तर पर भूस्खलन-प्रवण शीर्ष पांच देशों में से एक है।
- भारत का लगभग 12.6% भू-क्षेत्र भूस्खलन प्रवण है (बर्फ से ढके क्षेत्रों को छोड़कर)।

➤ **वितरण :**

- उत्तर-पश्चिमी हिमालय में 66.5%।
- उत्तर-पूर्वी हिमालय में 18.8%।
- पश्चिमी घाट में 14.7%।

➤ **प्रमुख भूस्खलन-प्रवण क्षेत्र:**

- पूर्वोत्तर क्षेत्र (भारत में कुल भूस्खलन-प्रवण क्षेत्रों का 50%)।
- हिमालय के साथ उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर का क्षेत्र।
- पश्चिमी घाट के साथ महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु का क्षेत्र।
- आंध्र प्रदेश में पूर्वी घाट के साथ अराकू क्षेत्र।

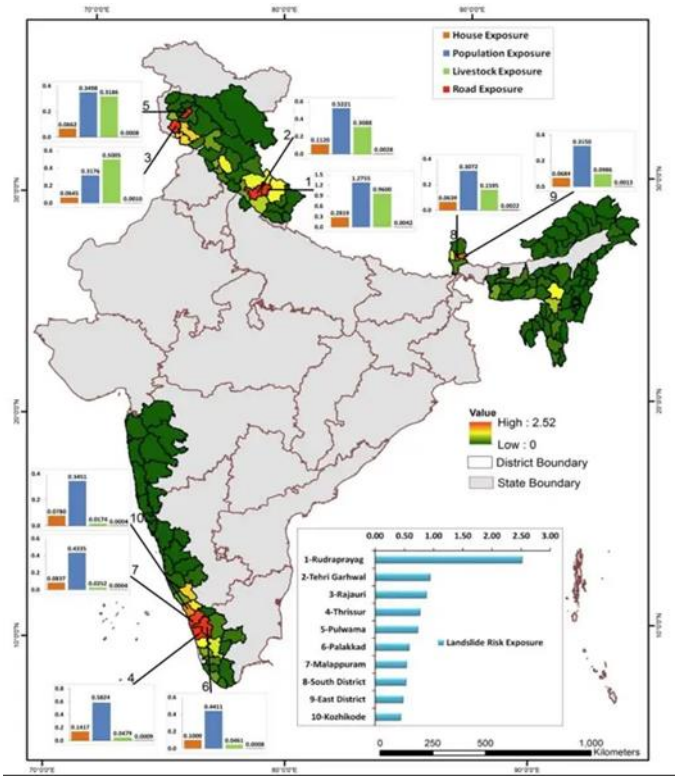

NEWS IN BETWEEN THE LINES

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

हाल ही में, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर के जलमग्न बेसमेंट पुस्तकालय में तीन आईएएस उम्मीदवारों की डूबने की घटना के संबंध में केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के बारे में:

- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एक सांविधिक निकाय है।
- इसकी स्थापना 12 अक्टूबर, 1993 को पेरिस सिद्धांतों के अनुसार की गई थी।
- यह मानवाधिकार उल्लंघनों की समीक्षा करने और उनके संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार को सिफारिशें देने के लिए उत्तरदायी है।
- इसका कार्य जीवन, स्वतंत्रता और गरिमा से जुड़े मानवाधिकारों की रक्षा करना है, जैसा कि हमारे देश के संविधान और न्यायपालिका द्वारा सुनिश्चित किया गया है।
- यह एक बहु-सदस्यीय निकाय है जिसमें एक अध्यक्ष, चार सदस्य और चार पूर्व पदेन सदस्य शामिल होते हैं।
- अध्यक्ष और सदस्य पांच साल की अवधि या 70 वर्ष की आयु तक सेवा करते हैं, जो भी पहले पूर्ण हो।

केंद्रीय जल आयोग

हाल ही में, केंद्रीय जल आयोग को नई दिल्ली में प्रतिष्ठित ग्लोबल वाटर टेक समिट-2024 में 'वाटर डिपार्टमेंट ऑफ द ईयर' श्रेणी में GEEF ग्लोबल वाटरटेक अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

केंद्रीय जल आयोग के बारे में:

- केंद्रीय जल आयोग एक सरकारी निकाय है।
- इसकी स्थापना 1945 में जल शक्ति मंत्रालय के तहत की गई थी, जो सरकार द्वारा डॉ. बी.आर. आंबेडकर के सुझाव पर की गई थी।
- यह पूरे भारत में जल संसाधनों के विकास, संरक्षण और प्रबंधन के लिए उत्तरदायी है।
- यह तीन शाखाओं में विभाजित है जिसमें नदी प्रबंधन शाखा (आरएम), डिजाइन और अनुसंधान शाखा (डी एंड आर), और जल योजना तथा परियोजना शाखा (डब्ल्यूपी एंड पी) शामिल हैं।
- प्रत्येक शाखा को एक पूर्णकालिक सदस्य के प्रभारी के अधीन रखा गया है, जिसे भारत सरकार के पूर्व पदेन अतिरिक्त सचिव का दर्जा प्राप्त है।
- इसके अध्यक्ष भी भारत सरकार के पूर्व पदेन सचिव होते हैं।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

सुर्खियों में व्यक्तित्व
उधम सिंह

हरियाणा सरकार ने आज 31 जुलाई को शहीद उधम सिंह शहादत दिवस के उपलक्ष्य में राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में सभी कक्षाओं के लिए छुट्टी घोषित की है।

उधम सिंह (26 दिसंबर 1899 - 31 जुलाई 1940)

- उधम सिंह, एक भारतीय क्रांतिकारी हैं, जिन्हें शहीद-ए-आज़म सरदार उधम सिंह के नाम से भी जाना जाता है, का जन्म पंजाब के सुनाम में हुआ था।
- 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग हत्याकांड से वे गहराई से प्रभावित हुए थे।
- वे भगत सिंह और उनकी विचारधारा से बहुत प्रेरित थे।

योगदान:

- 1924 में, वह ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन को उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से प्रवासी भारतीयों को संगठित करने के लिए गदर पार्टी में शामिल हो गए।
- 1927 में, अपने सहयोगियों और हथियारों के साथ भारत लौटते समय उधम सिंह को अवैध हथियार रखने के लिए गिरफ्तार कर लिया गया और पांच साल की जेल की सजा सुनाई गई।
- 13 मार्च 1940 को, उन्होंने कैक्सटन हॉल, लंदन में ईस्ट इंडिया एसोसिएशन और रॉयल सेंट्रल एशियन सोसाइटी की बैठक में माइकल ओ'डायर को गोली मार दी।
- ओ'डायर पंजाब के पूर्व लेफ्टिनेंट गवर्नर थे और उनकी हत्या जलियांवाला बाग हत्याकांड के प्रतिशोध के रूप में की गई थी।
- इस कृत्य के लिए उधम सिंह को मौत की सजा दी गई और 31 जुलाई 1940 को लंदन की पेंटनविले जेल में फांसी दी गई।
- **नैतिक मूल्य:** देशभक्ति, साहस, सत्यनिष्ठा आदि।

सुर्खियों में स्थल
वियतनाम

हाल ही में, वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन एक उच्च-स्तरीय मंत्री, उप मंत्री और व्यापारिक नेताओं के प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की महत्वपूर्ण तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं।

वियतनाम (राजधानी: हनोई)

स्थान: वियतनाम दक्षिण-पूर्व एशिया में इंडोचाइना प्रायद्वीप के पूर्वी किनारे पर स्थित एक देश है।

सीमाएँ:

- वियतनाम की स्थल सीमाएँ पश्चिम में लाओस और कंबोडिया और उत्तर में चीन के साथ लगती हैं।
- यह थाईलैंड की खाड़ी के माध्यम से थाईलैंड और दक्षिण चीन सागर के माध्यम से फिलीपींस, इंडोनेशिया और मलेशिया के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करता है।

भौतिक विशेषताएँ:

- वियतनाम का सबसे ऊँचा बिंदु फैन सी पान है, जिसे फान सी पांग भी कहा जाता है।
- वियतनाम की प्रमुख नदियाँ लाल नदी (हनोई से होकर बहती है), मेकोंग नदी (मेकोंग डेल्टा बनाती है), मा नदी, परफ्यूम नदी (ह्यू से होकर बहती है) और टैक डाई नदी हैं।
- वियतनाम कोयला, बॉक्साइट, टिन, तांबा, सोना और चूना पत्थर जैसे खनिजों में समृद्ध है।

सदस्यता:

वियतनाम कई अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र (यूएन), विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ), दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संघ (आसियान), एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी), अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) शामिल हैं।

POINTS TO PONDER

- प्रत्येक वर्ष किस दिन को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के रूप में मनाया जाता है? – **29 जुलाई**
- किस दक्षिण-पूर्व एशियाई देश ने हाल ही में अयोध्या के भगवान राम पर एक विशेष डाक टिकट जारी किया है? – **लाओस**
- पेरिस में कांस्य पदक के साथ निशानेबाजी में ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला कौन हैं? – **मनु भाकर**
- हाल ही में किस देश ने अपना पहला महिला एशिया कप खिताब जीता? – **श्रीलंका**
- एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) का प्राथमिक लक्ष्य क्या है? – **विकेन्द्रीकृत प्रयोगशाला-आधारित आईटी-सक्षम रोग निगरानी प्रणाली को मजबूत करना और बनाए रखना**